साई व्हाइब्रियोनिक्स पत्रिका

www.vibrionics.org

" जब आप किसी हतोत्साहित, निराष या रोग ग्रस्त व्यक्ति को देखते हो,
वहीं आपका सेवा क्षेत्र है "..... श्री सत्य साई बाबा

खण्ड 5 प्रकाषन 2 मार्च/अप्रैल 2014

☙ डॉ.जीत के अग्रवाल की मेज से ❧

प्रिय चिकित्सक बंधुओ

इस वक्त आप से कहने के लिए मेरे पास बहुत कुछ है।

सम्मेलन के लिए कृतज्ञता

पहले आंतर्राष्ट्रिय सांई वाइब्रियोनिक्स सम्मेलन विशेषांक पर प्राप्त हुई आंपकी प्रतिक्रियांओं ने मुझे झकझोर कर रख दिया। अनेक चिकित्सकों ने लिखा है कि यह सम्मेलन अत्यंत सफल रहा। अनेक चिकित्सकों ने मत प्रकट किया है की उनके सांई वाइब्रियोनिक्स संबंधी ज्ञान मे वृद्धि हुई एवं अन्य चिकित्सकों के साथ अपने अनुभवों तथा विचारों के आदान प्रदान का उन्हे सुअवसर प्राप्त हुआ। कुछ ने कहा है कि सांई वाइब्रियोनिक्स सेवा के प्रति नए से वचनबद्धता की प्रेरणा उन्हे मिली। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि आपकी अपेक्षाओं से कई ज्यादा गुणा आपने आनंद लिया और आप जानना चाहते हैः हमारा अगला सम्मेलन कब होगा?

यह सब स्वामी की कृपा से संभव हुआ है।

आप में से अनेकों ने विभिन्न मार्गो से महत्वपूर्ण योगदान देकर सम्मेलन का आयोजन सफल किया है परंतु मै निम्न व्यक्तियों/समूहों को विशेष रुपसे धन्यवाद देना चाहुंगा।

- सभी सहभागी प्रतिनिधियों को
- वे सभी जिन्होंने कार्रवाई पुस्तक (volume of *Proceedings*) के लिए लेख, भाषण, व्यक्तिवृत्त लिखे; तथा हमारी कोअर टीम के सदस्य जिन्होंने लेखन साहित्य का पुनःनिरीक्षण एवं संपादन किया।
- महाराष्ट्र का दल जिन्होंने नाश्ते एवं भोजन का प्रबंध किया तथा सम्मेलन के लिए बैजेस की व्यवस्था करने वाले चिकित्सक।
- केरल की टीम जिन्होंने रजिस्ट्रेशन फोल्डर्स तथा बैनर की व्यवस्था की;
- इंग्लैन्ड का दल जिन्होंने प्रतिनिधियों के निवास की व्यवस्था तथा कार्रवाई पुस्तक तथा अन्य सामग्री वितरण का पूरा जिम्मा उठाया ;
- इटली का दल जिन्होंने पुराने मंदिर अर्थात हमारे सम्मेलन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया।
- अमरीका, इंग्लैन्ड तथा भारत की मिलीजुली टीम जिसने सम्मेलन स्थल पर नामांकन एवं बैजेस वितरण का कार्य किया।
- पोलैन्ड के समन्वयक जिन्होंने ऑडिओ विज्युअल व्यवस्था सम्हाली एवं वाइब्रियोनिक्स वीडीओ डीवीडी (नीचे देखिए) का निर्माण किया।
- चैतन्य ज्योति संग्रहालय के मुखिया जिन्होंने वाइब्रियोंनिक्स प्रदर्शनी लगायी।
- अनेक चिकित्सक जिन्होंने ग्रीक चिकित्सक के सौजन्य से प्रसाद बनाया।

मै उन सभी व्यक्तियों को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हुं जिन्होने सम्मेलन के अंतिम तीन दिनों मे अमरीका से पधारे डॉ. माइकेल रेकॉफ के नेतृत्व मे सारी व्यवस्था को संभाला। मदद के लिए कुल 45 स्वयंसेवक थे। हम उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते है।

सांई वाइब्रियोनिक्स का नया यू टयूब चैनेल

मुझे सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि सांई वाइब्रियोनिक्स का YouTube.com पर **Sai Vibrionics Healing** नामक अपना अधिकारिक चैनेल है। आप इस चैनेल से https://www.youtube.com/channel/UCdmKv4O1lLswMEe7TfTVvJQ इस पते पर जुड़ सकते है। सम्मेलन के दौरान प्रसारित किए गए वाइब्रियोनिक्स संबंधी दो वीडीओ अभी वेबसाइट पर पोस्ट किए जा चुके है। पहला वीडीओ

Vibrionics, Sai Ram Healing Vibrations (https://www.youtube.com/watch?v=roXS0_WcU28) वाइब्रियोनिक्स क्या है? इस प्रश्न के उत्तर से जुड़ा है। मरीजों एवं जनसामान्य के लिए यह वीडीओ वाइब्रियोनिक्स का परिचय भी कराता है। दूसरा वीडीओ *Blessing of Vibrionics* (https://www.youtube.com/ watch?v=fB8DDtQiOoo) सन 2008 से 2010 तक सांईबाबा द्वारा गुरुपूर्णिमाओं के अवसर पर वाइब्रियोनिक्स को मिले आशीर्वादों का स्लाइड शो है।

पहला वीडीओ *Vibrionics, Sai Ram Healing Vibrations* आप हमारी वेबसाइट (http://www.vibrionics.org) के होम पेज पर "What is Sai Vibrionics" page द्वारा देख सकते हैं।

यह वीडीओ अंग्रेजी मे है। उनके अन्य भाषाओं मे अनुवाद का कार्य चल रहा है और अनुवाद पूर्ण होने पर वेबसाइट तथा यू–टयूब पर पोस्ट किया जाएगा। पौलीश भाषामें यह वीडीओं अभी उपलब्ध है।

वाइब्रियोनिक्स के विस्तार की केरला की अनोखी योजना

मुझे केरल की एक महत्वपूर्ण घटना की जानकारी आपके साथ बांटते हुए प्रसन्नता हो रही है।
केरल के राज्य समन्वयक से मिली रिपोर्ट से पता चला है की त्रिसूर एवं एर्नाकुलम मे मार्च 12 तथा मार्च 23 को पहला जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था (फोटो देखें)। व्हाइब्रियोनिक्स के प्रसार हेतु दोनो जिलों मे कमेटियां गठित की गई हैं। उनका कार्य है जन सामान्य को वाइब्रियोनिक्स के प्रति जागरुक करना, चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना तथा योग्य व्यक्तियों कों ढूंढकर उन्हे वाइब्रो प्रशिक्षण दिलाना। इन कमेटियों के सदस्य के रुप मे आम लोग, वाइब्रो के शुभ चिंतक तथा लाभार्थी मरीज शामिल हैं। केरल मे अब यह योजना अन्य जिलों मे लागू करने का प्रस्ताव है। इस हेतु जिला समन्वयक तथा अन्य चिकित्सकों को अपने अपने प्रभाग मे कार्यक्रम आयोजित करने हेतु सक्रिय किया गया है।

इन जागरुकता अभियानों एवं कमेटियों की सहायता से केरल राज्य मे भगवान बाबा के 90 वें जनमदिन समारोह तक 90 नए चिकित्सकों को प्रशिक्षित करने का संकल्प है जिससे वाइब्रो चिकित्सा के लाभार्थीयों की संख्या दुगुनी हो जाएगी।
वाइब्रियोनिक्स सेवा के प्रति केरल का समर्पण प्रशंसनीय हैं।

सांई की प्रेममय सेवा मे

जीत अग्रवाल

****

ॐ सम्मिश्रण की सफलता का व्यक्ति वृत्त (केस हिस्टरीज़) ॐ

1. मधुमेह(Diabetes),उच्च रक्तचाप तथा अवसाद [10001...भारत]

मई 2008 मे, एक महिला मरीज, उम्र 52 वर्ष, जो चिकित्सक की दूर की रिश्तेदार भी थी, मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप की बिमारी हेतु इलाज करवाना चाहती थी। विगत 10 वर्षो से वें मधुमेह से पीड़ित थी और अब वें रक्तशर्करा नियंत्रण हेतु इन्सुलीन पर निर्भर बन चुकी थी। वें प्रतिदिन दोपहर के भोजन से पूर्व 15 युनिट एवं रात्रिभोंज के पूर्व 10 युनिट इन्सुलीन लेती थी। इससे उनकी बेतरतीब रक्तशर्करा (random sugar) 150 थी। इस के अलावा वें उच्च रक्तचाप हेतु विगत 3 वर्षो से एलोपैथिक दवां के साथ साथ सामान्य कमजोरी हेतु भी दवां

ले रही थी। मरीज ने स्वीकार किया कि कुछ महीनों से वें उदासी (चिंता, सुस्ती और आत्मविश्वास की कमी) महसूस कर रही है परंतु इसके लिए कोई दवा नही ली।

उन्हे निम्न कॉम्बो दिया गया:

#1. CC6.3 Diabetes…दिनमे एक बार दोपहर के भोजन के एक घंटे बाद

#2. CC3.3 High Blood Pressure + CC12.1 Adult tonic + CC15.1 Mental & Emotional tonic …दिन मे तीन बार

वाइब्रियोनिक्स इलाज से मरीज के डायबिटीस मे निरंतर सुधार पाया गया। वें इन्सुलीन की मात्रा को हर पंदरह दिन मे 2 युनिट घटाने लगी। एक वर्ष बाद उनके डॉक्टर ने इन्सुलिन बंद करवा दी तथा उन्हे गोलियां दी जिससे उनकी रक्तशर्करा सामान्य हो गई।

वाइब्रियोनिक्स इलाज के एक माह बाद उनका रक्तचाप भी सामान्य हो गया और उनके डॉक्टर ने एलोपैथिक दवां की मात्रा धीरे धीरे घटानी शुरु कर दी और मरीज को भी उदासी से राहत महसूस होने लगी। वें ताजगी और चैतन्य महसूस करने लगी।

यद्यपि वाइब्रियोनिक्स का इलाज शुरु करने के साथ ही उनका पुराना पीठ दर्द लौट आया। उन्हे निम्न कॉम्बो दिया गया:

#3. CC20.1 SMJ tonic + CC20.2 SMJ pain + CC20.5 Spine…TDS दिनमे तीन बार

एक माह बाद मरीज ने पीठ दर्द पूरी तरह ठीक होने की सूचना दी, अतः खुराक घटाकर दिन मे दो बार की गई। एक साल बाद मरीज निम्न कॉम्बो ले रही है:

#1. उपरोक्तानुसार एवं

#4. CC3.3 High Blood Pressure + 12.1 Adult tonic…TDS दिनमे तीन बार

उन्होंने वाइब्रियोनिक्स की रेमेडी एक वर्ष और ली फिर बंद कर दी।

कुल मिलाकर वें डायबिटीस की एलोपैथिक दवां 80 प्रतिशत कम करने तथा उच्च रक्तचाप की एलोपैथिक दवां बंद करने मे सफल हुई एवं उदासी तथा पीठदर्द से भी वें पूरी तरह राहत महसूस करने लगी। उनके डॉक्टर ने स्वीकार किया की यह केवल वाइब्रियोंनिक्स के कारण ही संभव हुआ है।

++

2. हाथोपर जलने का घाव[11520…भारत]

दिसंबर 2013 मे एक 53 वर्षीय पुरुष, चिकित्सक के पास आए। प्लास्टीक का डंडा जलकर पिघलने से मरीज की दोनो हथेलियों मे घाव (second-degree burns) हो गया था। उन्हे दर्द भी काफी था। फफोलों के कारण हथेलियां लाल हो गई थी। सूजन की वजह से वें हथेलियां तथा उंगलियां हिलाने मे असमर्थ थे। वें अपने रोज के कार्य भी नही कर पा रहे थे और स्वयं के कपड़े बदलना भी उनके लिए असंभव था। गरीब परिस्थिति के कारण वें एलोपैथिक इलाज करवाने मे अक्षम थे। उनका इलाज केवल एक ही था, ठंड़े पानी मे हथेलियां डूबों कर रखना।

उन्हे निम्न कॉम्बो दिया गया:

CC10.1 Emergencies + CC12.1 Adult tonic + CC14.1 Male tonic + CC15.1 Mental & Emotional tonic + CC18.5 Neuralgia + CC20.1 SMJ tonic + CC21.1 Skin tonic + CC21.4 Stings & Bites + CC21.11 Wounds & Abrasions…6TD दिनमे छ बार

आठ दिनों मे मरीज के लक्षणों मे करीब 50 प्रतिशत सुधार हुआ। हथेलियों की सूजन कम हो चुकी थी और दर्द भी कम हो गया था जिससे वें अपनी उंगलियां धीरे धीरे हिला पा रहे थे। खुराक दिन मे छ बार से घटाकर दिन मे तीन बार की गई। अगले 7 दिनों मे शत प्रतिशत आराम हुआ। हथेलियों की त्वचा सामान्य होने पर मरीज अपने काम पर जाने लगा। जलने का घांव 15 दिनों के भीतर पूरी तरह ठीक हो चुका था।

++

3. कूल्हे पर फोड़ा 11210... भारत

इस 50 वर्षीय पुरुष को कूल्हे मे फोडों के कारण बहुत पीडा थी। लगातार एक के बाद एक फोड़े होते ही जाते थे, पीप से भरते थे, फट जाते थे परंतु फिर नए फोड़े उभर आते थे। दो बार कुछ फोडो को शल्यचिकित्सा द्वारा हटाना भी पडा। प्रारंभ मे मरीज को निम्न कॉम्बो दिया गयाः

#1. CC12.1 Adult tonic + CC21.2 Skin infections...TDS दिनमे तीन बार

एक माह मे 20% सुधार पाया गया। फोड़ो की संख्या कम हुई, परंतु दर्द काफी था। रेमेडी बदलकर निम्न की गईः

#2 CC15.1 Mental & Emotional tonic + CC21.1 Skin tonic + CC21.11 Wounds & Abrasions...TDS दिनमे तीन बार

दो माह मे 50% सुधार हुआ। यह रेमेडी छ माह तक दी गई और धीरे धीरे मरीज को फोड़ो से पूरी तरह मुक्ती मिल गई और वें ठीक से बैठकर कार्य करने लगे। खुराक घटा कर दिन मे एक बार की गई फिर सप्ताह मे दो बार की गई ताकी पुनरावृति न हो।

नोटः फोड़े होना यह शरीर मे पूतिक का लक्षण है अतः CC17.2 क्लीन्सीन्ग देना फायदेमंद हो सकता है। साथ ही मरीज को आहार संबंधी जानकारी लेनी चाहिए या फिर मरीज के आस पड़ोस मे विषाक्त वातावरण तो नही है जिसमे वह श्वासोश्वास ले रहा है।

++

4. बायी पलक पर पुटक (Cyst on Left Eyelid) 10604... भारत

28 वर्षीय महिला बायी पलक पर पुटक के इलाज हेतु आयी। उनके डॉक्टर ने एक सप्ताह के भीतर शल्यचिकित्सा की सलाह दी थी। उन्हे निम्न कॉम्बो दिए गएः

CC2.3 Tumours & Growths + CC10.1 Emergencies + CC15.1 Mental & Emotional tonic...QDS दिनमे चार बार

एक सप्ताह के भीतर पुटक नरम पड़ गया अतः शल्यचिकित्सा एक सप्ताह के लिए आगे बढायी गई और वाइब्रियोनिक्स इलाज जारी रखा गया। एक सप्ताह बाद वह पुटक मिट चुका था।

++

5. क्लिष्ठ गर्भावस्था 11476... भारत

जननक्षमता हेतु विगत 7–8 वर्षों के एलोपैथिक इलाज की असफलता के बाद एक 33 वर्षीय महिला अक्तूबर 2012 मे चिकित्सक के पास वाइब्रियोनिक्स इलाज हेतु आयी। वें हाइपोथाइरॉइडिजम के लिए सन 2008 से एलोपैथिक दवां (Thyronam 25 mg OD) तथा डायबिटीस के लिए सन 2005 से (Centapin XR tablet OD) ले रही थी। उन्हे निम्न कॉम्बो दिए गएः

#1. CC6.2 Hypothyroid + CC6.3 Diabetes + CC8.1 Female tonic + CC8.4 Ovaries & Uterus...TDS दिनमे तीन बार

रेमेडी लिए जाने के 10 दिनों के भीतर वें गर्भवती हुई। उनके डायबिटीस तथा थाइरॉइड की बीमारी के कारण वें बच्चें के स्वास्थ्य हेतु आशंकित थी अतः उन्हे कॉम्बो बदलकर निम्नानुसार दिया गयाः

#2. CC6.2 Hypothyroid + CC6.3 Diabetes + CC8.2 Pregnancy tonic + CC12.1 Adult tonic + CC15.1 Mental & Emotional tonic...TDS दिनमे तीन बार

चिंतित मरीज के समाधान हेतु चिकित्सक गर्भावस्था के दौरान निरंतर उनके संपर्क मे रहे। इस दौरान मरीज ने उनकी रक्तशर्करा तथा थाइरॉइड का स्तर सावधानीपूर्वक नियंत्रण मे रखा। गर्भावस्था के पांचवे माह से मरीज ने इन्सुलीन पम्प द्वारा इन्सुलीन इन्जेक्शन लेना शुरु किया तथा हाइपोथाइरॉइड की दवां बढाकर दिन मे एक बार 50 मि ग्रा कर दी। मरीज ने वाइब्रियोनिक्स का इलाज गर्भावस्था के दौरान तथा प्रसूति के बाद एक माह तक जारी रखा।

उन्होंने दिनांक 17 जुलाई 2012 को 2.4 किलो वजन की स्वस्थ पुत्री को शल्यक्रियात्मक प्रसव द्वारा जनम दिया। मां ने शिशु को स्तनपान कराया। प्रसूति के बाद मरीज डायबिटीस से पूरी तरह मुक्त हो चुकी थी, तथा उनकी थाइरॉइड की खुराक भी पहले की तरह (Thyronam 25 mg OD) हो गयी।

++

6. सौम्य अर्बुद (Benign Tumour)[11278... भारत]

23 जनवरी 2013 को 62 वर्षीय पुरुष, पीठ पर दाहिने कंधे के नीचे, सौम्य अर्बुद (benign soft tumour 1 cm x 1 cm) के इलाज हेतु चिकित्सक के पास आए। यह टयूमर उन्हे विगत 10 वर्षोंसे था। डॉक्टर ने उन्हे शल्यचिकित्सा का परामर्श देकर कहां कि टयूमर की पुनरावृति हो सकती है। अर्बुद पीड़ा विहीन होने की वजह से मरीज ने शल्यचिकित्सा टाली। उन्हे निम्न कॉम्बो दिया गयाः

#1. CC2.3 Tumours & Growths + CC12.1 Adult tonic...TDS दिनमे तीन बार

दो सप्ताह मे (फरवरी 2) अर्बुद पर लाली आयी और वह नरम पड़ गया। मरीज को हल्का सा दर्द महसूस होने लगा। मार्च 21 को हल्का दबाने पर बदबू वाला सफेद स्राव बाहर आने लगा। अप्रैल 9 तक 60% पीप बाहर निकल चुकी थी और वहां की त्वचा काली पड़ गई। रेमेडी बदलकर निम्नानुसार दी गईः

#2. CC2.3 Tumours & Growths + CC12.1 Adult tonic + CC21.2 Skin infections...TDS दिनमे तीन बार

18 जून तक अर्बुद चपटा होकर त्वचा काली पड़ चुकी थी। जुलाई 24 तक अर्बुद पूरी तरह मिट चुका था। अनुरक्षक खुराक के रुप मे दिन मे एक बार एक माह तक रेमेडी देने के बाद बंद कर दी गई। अब अर्बुद मिट चुका है उसके स्थान पर केवल एक काला निशान रह गया है।

++

7. फसल का इलाजः तुअर (अरहर), मोसंबी तथा कपास [11279... भारत]

विशेष रुपकः चिकित्सक परिचय

मै नामदेव राउत, महाराष्ट्र के नागपुर शहर से 50 किलोमीटर की दूरी पर बसे छोटे से गांव 'ढवलापुर' का निवासी हूं। मैने पशुचिकित्सा शास्त्र मे सन 1954 मे मास्टर्स डिग्री प्राप्त की। थोड़े दिन सरकारी नौकरी करने के बाद मैने अपने पिताजी के आग्रह पर गांव मे रहकर अपनी खेती विकसित करने का निर्णय लिया। मै किसान बन गया। आप महाराष्ट्र के विदर्भ आंचल के किसानों की स्थिती जानते ही है; बड़ी दयनीय अवस्था है। कर्ज मे डूबे कई किसानों ने आत्महत्या की है। पढालिखा होने की वजहसे मेरा रुझान वैज्ञानिक खेती की ओर था। परंतु इसका सीधा मतलब था महंगे कीटक नाशक, फफूंदनाशी एवं रासायनिक खादों का इस्तमाल। सिंचन के लिए केवल बरसात का सहारा था।

सन 2009 मे सत्यसांई मेडीकेअर प्रोजेक्ट, नागपुर की मुफ्त चिकित्सा सेवां हमारे गांव मे शुरु हुई। एलोपॅथि के साथ साथ वाइब्रो की दवां भी मुफ्त मे दी जाती थी। हम लोगों को एलोपॅथि के बारे मे पता था परंतु यह नई वााइब्रो पद्धति कमाल की असरदार थी विशेष कर लंबी अवधि के दमा, वात, चर्मरोग आदि के लिए।

एम्बुलेन्स के साथ आने वाले वाइब्रो चिकित्सक से यह भी जानकारी मिली की वाइब्रो रेमेडी वनस्पती और पशुओं के लिए भी उपयोगी है। स्थानीय वाइब्रो समन्वयक के प्रोत्साहन पर मैने नागपुर मे वाइब्रो चिकित्सा का प्रशिक्षण लिया। डॉ. नंद अग्रवाल एवं श्रीमती कमलेश अग्रवाल हमारे प्रशिक्षक थे।

मेरे मासिक रिपोर्ट मे वनस्पती, फसल और पशूओं के वाइब्रो द्वारा सफल इलाज के आंकड़े शामिल है। मै हर माह 4–5 पशुओं का भी इलाज करता हूं (संपादक की टिप्पणीः हम अतिरिक्त रिपोर्ट *बाद मे प्रकाशित* करेंगे)। जैविक खेती तथा भगवान श्री सत्यसांईबाबा की कृपा से वाइब्रियोनिक्स के इलाज द्वारा मिलने वाली सफलता के कारण मै ढवलापूर गांव मे एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गया हूं। जय सांईराम।

फसलों के इलाज संबंधी परीक्षण

मेरा पहला परीक्षण हमारी भजन मंडली के पेटी मास्टर के 100 स्क्वेअर फीट प्लॉट पर जून 2012 मे बोए गए अरहर पर हुआ। उसके प्लॉट पर मैने देखा की फूल पर आयी अरहर में कीट पड़ गई है। मैने उसे जानकारी दी की हांल ही मे मैने वाइब्रोयोनिक्स का प्रशिक्षण लिया है तथा उसमे कीटकों के लिए इलाज है। स्थानीय लोग वाइब्रियोनिक्स के इन्सानों पर हो रहे सफल इलाज को अनुभव कर ही रहे थे परंतु वनस्पती के लिए यह नयी बात थी। पेटी मास्टर ने मुझे इजाजत दी और मैने निम्न कॉम्बो बनायाः

CC1.2 Plant tonic + CC21.7 Fungus, 4 drops each in 1 litre of water एक लिटर पानी मे चार चार बूंद

इस पानी को फिर 15 लिटर पानी से भरी **प्लास्टीक** की बाल्टी मे मिलाया गया और 15 अगस्त 2012 को मैने स्वयं इस वाइब्रोजल का **प्लास्टीक** हैन्ड़ पम्प से 'सांईराम' का नामजप करते हुए तुअर के पेड़ों पर छिड़काव किया। रातोरात कीटक अदृष्य हो गए और बाद मे हमने देखा की उन पेड़ों पर चींटियां भी नही चढती थी। फसल भी खूब आयी।

मेरा दूसरा परीक्षण मेरे स्वयं के दो एकड़ खेत मे 550 पेड़ों वाले मोसंबी के बगीचें पर हुआ। वृक्षारोपण का यह चौथा साल (सन 2011) था। उपरोक्त मिश्रण का छिड़काव मैने उसी तरीके से मोसंबी के पेड़ों पर फूल खिलने के काल मे (जून 11, जुलै 11 तथा अगस्त 11) तीन बार किया। मैने कीटक नाशक इस्तमाल नही किए क्योंकि वें बहुत महंगे थे। उन 550 पेंड़ों से उगाइ मोसंबी को मैने 3 लाख 50 हजार रु. मे बेचा। अगले (सन 2012) मौसम मे भी मैने फूल खिलने के काल मे तीन बार एक–एक माह के अंतराल पर उपरोक्त मिश्रण का छिड़काव पेड़ों पर किया, 3 लाख रु. की मोसंबी बेची। गत वर्ष (सन 2013) मैने 3 लाख 75 हजार रु .की मोसंबी बेची।

मै एक बात का जिक्र अवश्य करना चाहूंगा की छिड़काव करते समय **मै** बात करना टालते हुए मन ही मन 'सांईराम सांईराम' जपता रहा और मुझे लगता है वाइब्रो की कामयाबी के लिए यह जरुरी था।

उपरोक्त कॉम्बो के तीसरे परिक्षण मे मैने सन 2012 मे ब्रम्हा जाति के बीज से एक एकड़ खेत से 26 क्विन्टल (1 क्विन्टल =100 किलो) कपास उगाया। मैने जून 1–2 को कपास के बीज बोए तथा जुलाई माह के दौरान हर हप्ते उपरोक्त कॉम्बो का पांच बार छिड़काव किया। मैने कीटकनाशक इस्तमाल नही किए केवल वाइब्रो का उपयोग किया। मेरे खेत के अगल बगल वालों ने केवल 5–6 क्विन्टल प्रति एकड़ कपास उगाया। मेरे पड़ोसियों ने उनके खेत मे भी वाइब्रो के छिड़काव की बिनती की और मैने स्विकार किया। उनकी फसल मे भी कई गुणा वृद्धि हुई।

****

ॐ सभी चिकित्सकों के ध्यानाकर्षण हेतु महत्वपूर्ण सूचना: ॐ

हमे प्राप्त होने वाली कुछ व्यक्ति वृत्त (केस हिस्टरीज़) अदभुत होती है परंतु अत्यावश्यक जानकारी के अभाव मे हम उन्हे आप तक नही पहुंचा सकते। अतः कृपया आप जब भी सफल केसेस की सूचना हमारे पास भेजते है, निम्न जानकारी अवश्य लिखिए –

मरीज की उम्र, पुरुष/स्त्री, इलाज आरंभ की तिथि, सभी एक्युट लक्षणों की विस्तृत सूचि, सभी क्रोनिक लक्षणों की विस्तृत सूचि, प्रत्येक लक्षणं की अवधि, क्रोनिक लक्षणों के संभाव्य कारण, पूर्व/वर्तमान मे कराया गया अन्य इलाज, दिया गया काम्बो, डोसेज, तिथि के साथ बिमारी मे हुए सुधार का प्रतिशत, आज की स्थिति, अन्य संबंधित जानकारी।

उपरोक्त जानकारी के आधार पर आपकी केसेस को वाइब्रो पत्रिका मे प्रकाशित करने मे हमे सहायता मिलेगी । इस जानकारी के अभाव मे हमारे पास प्रकाशित करने हेतु भविष्यमे पर्याप्त केसेस नही होंगे।

****

*

ॐ स्वास्थ्य नुस्के ॐ

(HEALTH TIPS)

साई व्हाइब्रियोनिक्स द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं लेख केवल षिक्षा हेतु दिए जाते है; यह जानकारी वैद्यकीय परामर्ष नही है। मरीजों की विषिष्ट वैद्यकीय अवस्था हेतु उन्हे उनके अपने डाक्टर से परामर्ष करने की सलाह दी जाती।

दिन मे एक प्याज खाए डॉक्टर को दूर भगाए (भाग 2)

कृपया नोट करे–हमने जनवरी 2014 की वाइब्रोपत्रिका मे प्याज के स्वास्थ्य लाभ का पहला भाग प्रस्तुत किया था।

प्याज और कर्करोग (कैंसर)

यद्यपि प्याज मे वही गंधक युक्त रसायन पाए जाते है जो लहसून (Garlic) मे होते है परंतु प्याज मे quercetin नामक flavonoids होने की वजह से वह अधिक लाभदायक है। सूजन रोकने मे Quercetin एन्टिहिस्टेमाइन की तरह कार्य करता है। Quercetin और कर्करोग परस्पर विरोधी है। अभ्यास मे पता चला है की Quercetin मे कर्करोग युक्त कोशिकाओं की बढवार धीमी करने, उनका शरीर मे फैलाव (metastasis) रोकने एवं उन कोशिकाओं को रक्त की आपूर्ती रोककर अथवा कर्करोग के मारक जीन्स को सक्रिय करते हुए उन कोशिकाओं (कर्करोगयुक्त) को खत्म करने की शक्ती एवं काबलियत होती है।

कोर्नेल विश्व विद्यालय के शोधार्थी रुई हाई लीउं, एम.डी., जो अन्नविज्ञान विषय के उप प्राध्यापक है, उन्होंने प्याज तथा shallots (छोटे प्याज की प्रजाती) की 10 विभिन्न प्रजातियों का परीक्षण करने पर पाया की प्याज की उग्र स्वाद वाली प्रजाती यकृत तथा मलाशय के कर्करोगी कोशिकाओं की बाढ रोकने मे अधिक प्रभावशाली है।

परीक्षण मे ताजे, कच्चे छिले हुए प्याज का अर्क इस्तमाल किया गया था। अभ्यास दौरान जाँच की गई 11 प्रजातियों मे एशियाई, मेक्सिकी, फ्रान्सिसी तथा भूमध्य सागरीय पाकविधि मे विशेष रुप से इस्तमाल किए जाने वाले छोटे प्याज मे आक्सीकरण अवरोधी प्रक्रिया सबसे अधिक (सौम्य स्वाद वाली विडालीयां प्रजाती की तुलना मे छः गुना) पायी गई। छोटे प्याज को यकृत के कर्करोग की कोशिकाओं की रोकथाम मे सबसे असरदार पाया गया।

हजार से भी अधिक लोगों के आहार और स्वास्थ्य के अभ्यास मे पाया गया कि प्याज अत्यल्प मात्रा मे खाने वालों की अपेक्षा ज्यादा प्याज खाने वालों मे मलाशय के कर्करोग की संभावना 56% घट जाती है, स्तन के कर्करोग की संभावना 25%, प्रोस्टेट कर्करोग की संभावना 71%, अन्न नलिका के कर्करोग की संभावना 82%, गर्भाशय के कर्करोग की संभावना 73%, मुख संबंधी कर्करोग की संभावना 84%, गुर्दो के कर्करोग की संभावना 38% तथा अग्न्याशय संबंधी कर्करोग की संभावना 54% घट जाती है।

शोधार्थीयों ने यह भी पाया की जो महिलाएं सप्ताह मे दो या दो से अधिक बार 80 ग्राम (2.82 oz) प्याज का सेवन करती है उनमे एन्डोमेट्रीअम के कर्करोग की संभावना 60% घट जाती है। चीनी लोगों मे सप्ताह मे एक या एक से अधिक बार प्याज का सेवन करने वालों मे पेट के कर्करोग के खतरे मे कमी पायी गई। इस अभ्यास के शोधार्थीयों ने इस बात का समर्थन किया की प्याज का सेवन अल्सर पैदा करने वाले हेलिकोबॅक्टर नामक पेट के कर्करोग से जुड़े सूक्ष्म जीव की बढवार रोकता है। प्याज मे fructo-oligosaccharides नामक रसायन होता है जो स्वास्थ्यवर्धक जीवाणुओं की बढवार उद्युक्त करता है तथा मलाशय मे हानिकारक जीवाणुओं का दमन करता है। इससे प्याज की मलाशय के कर्करोग की रोकथाम मे भूमिका स्पष्ट हो सकती है। प्याज के अर्क से परखनलि(Test Tube) मे अर्बुद (Tumour) की कोशिकाए खत्म होती पायी गई।

प्याज और मधुमेह

अभ्यास मे पाया गया की मधुमेह से पीड़ीत व्यक्तियों मे प्याज के सेवन से रक्तशर्करा की मात्रा घटती है। एक अभ्यास मे टाइप 1 एवं टाइप 2 मधुमेह से पीड़ीत मरीजों को इन्सुलिन की बजाय 100 ग्राम कच्चा लाल प्याज खिलाया गया। परिणामों मे यद्यपि ब्लड ग्लुकोज मे इन्सुलिन जैसी कमी नही पायी गई परंतु रक्तशर्करा की मात्रा मे कमाल की कमी पायी गई। प्याज सेवन के बाद एक घंटे तक रक्तशर्करा की मात्रा बढी हुई पायी गई और इसे प्याज का ग्लाइकोजेनिक इफेक्ट माना गया जो इन्सूलिन तथा अन्य मधुमेह की दवांओं के हाइपो ग्लाइसेमिया जैसे अवांछित परिणामों को कम कर सकता है।

रक्तशर्करा को कम करने वाला तत्व है allyl propyl disulphide (APDS) नामक सल्फर कम्पाउन्ड जो यकृत मे इन्सुलिन का विघटन रोक कर मधुमेह से निपटने के लिए शरीर मे इन्सुलिन का उच्च स्तर बनाए रखता है। प्याज मे क्रोमिअम नामक खनिज भी होता है जो कोशिकाओं को इन्सुलिन की स्विकृति मे मदद करता है जिससे रक्तशर्करा नियंत्रित होती है।

त्वचा संबंधी इलाज

प्याज का रस कीड़ों के दंश के लिए, मसा और अपर्याप्त रक्ताभिसरण के कारण होने वाली खुजलाहट के इलाज हेतु इस्तमाल किया जाता है। *Journal of Cosmetic Dermatology*, USA, मे प्रकाशित जानकारी नुसार शोधार्थीयों ने पाया है की शल्यक्रिया के फलस्वरुप हुए जख्म पर प्याज के अर्क का लेपन करने से वहां की त्वचा मुलायम बनती है, लाली भी कम पड़ती है तथा त्वचा मे निखार आता है।

सोडियम, चरबी तथा कोलेस्टेरॉल से मुक्त प्याज विटामिन सी का भी बहुत अच्छा स्रोत है। एक कप कच्चा प्याज विटामिन सी के 20% दैनिक मात्रा की आपूर्ति करता है। इसके अलावा मेंगनीज, मोलिब्डेनम, हृदय के स्वास्थ्य मे लाभदायक विटामिन बी 6, फोलेट तथा पोटेशियम का भी प्याज एक अच्छा स्रोत है। पोषक तत्वों की दैनिक आवश्यक मात्रा की प्रतिशत मे एक कप प्याज द्वारा फाइबर और मोलिब्डेनम 11%, मेंगनीज 10.5%, विटामिन बी6 10%, फोलेट 8% पोटेशियम 7% तथा ट्राइटोफान 6% की आपूर्ति होती है।

Sources:

http://health.tipsdiscover.com/onion-strong-cancer/
http://www.news.cornell.edu/stories/2004/10/some-onions-have-excellent-anti-cancer-benefits
http://www.sciencedaily.com/releases/2004/10/041022105413.htm
http://www.foods-healing-power.com/health-benefits-of-onions.html
http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/16236005
http://www.offthegridnews.com/2011/06/09/onions-and-their-healing-properties/
http://jarretmorrow.com/2010/11/24/onion-blood-sugar-levels-diabetics/
http://www.thediabetescenter.org/natural-diabetes-cure-onion-for-diabetes-treatment.html#more-105
http://www.botanical-online.com/medicinalsalliumcepaangles.htm
http://whfoods.org/genpage.php?tname=nutrientprofile&dbid=32

++

क्यां आपके बाल झड़ रहे है?

सिर पर उगे 1,00,000 से 150,000 बालों मे, 50–100 बालों का प्रतिदिन झड़ना सामान्य बात है। परंतु अगर सिर पर खाली स्थान अथवा बालों मे विरलता पा रहे हो तब आप के बाल झड़ने लगे है जिसे (alopecia) कहते है। बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते है। अचानक बालों के झड़ने की वजह बिमारी (बडी शल्यक्रिया, तेज बुखार, गंभीर रोग संक्रमण, अथवा फ्लू), **अपर्याप्त आहार तथा कुपोषण** (आहार मे प्रोटीन और लौह की कमी या आहार मे कमी से 15 पाउन्ड या अधिक वजन घटना), **निर्देशित दवां** (वात, निराशा, गाउट, हृदय विकार, उच्च रक्तचाप, ग्लॉकोमा, अर्बुद, पार्कीन्सन डिसीज या विटामिन ए की अतिमात्रा आदि) के सेवन से, गर्भावस्था, प्रसूति, प्रसूति निरोधी दवां का सेवन बंद करने अथवा रजोनिवृत्ति के प्रारंभ मे होने वाले **हार्मोनल बदलाव अथवा असंतुलन** भी हो सकता है।

अगर बालों का झड़ना लगातार और प्रति वर्ष सुस्पष्ट होता जा रहा हो तब वह अनुवांशिक अथवा androgenetic alopecia हो सकता है। इस तरह बालों का झड़ना जिसे male/female pattern baldness भी कहते है, स्त्री/पुरुषों मे आम तौर पर देखा जाता है। बालों का झड़ना रोग का प्रारंभिक लक्षण भी हो सकता है। लगभग 30 बिमारियों मे जैसे थाइरॉइड, पोलीसिस्टीक ओवरी सिन्ड्रोम, रक्ताल्पता, सिर की खाल मे दाद तथा उल्टे–पुल्टे आहार से बाल झड़ते है। संबंधित विशिष्ट बीमारी का इलाज करने से बालों का झड़ना रुक कर नए बाल उग आने की संभावना होती है। **कर्करोग के** विकिरण तथा केमोथेरेपी इलाज, **तनाव** (जैसे प्रिय व्यक्ति की मृत्यु अथवा तलाक) एवं **पर्याप्त निद्रा का अभाव** बालों के झड़ने के अन्य कारण है।

निम्नलिखित आदते बालों के झड़ने, शुष्क होने या टूटने की वजह हो सकती है:

- **बालों की देखभाल मे उग्र रसायनिक घटकों वाले उत्पादनों का नित्य अथवा अनुचित इस्तमाल–** विरंजक, पक्के रंग, जैल तथा बालों के स्प्रे (इनका इस्तमाल टाले);
- **रोज शैम्पू से बालों को धोना** (इसकी अपेक्षा प्राकृतिक तेल के नियंत्रण हेतु बालों को हर 2–3 दिनों के अंतराल मे धोए);
- बालों को घुंगराला बनाने वालें उपकरणों, हेअर ड्रायर, या बालों को सीधा करने वाली गरम **पट्टीयों** का नित्य इस्तमाल (जिसमे बालों की जड़की जड़ो का पानी उबल जाता है,) इनकी अपेक्षा हवा मे बालों को सुखाइए और अगर समय का अभाव हो तब कभी कभी ड्रायर का इस्तमाल करे);
- ऐसी केशभूषा जिसमे **बालों को खींच कर** पोनी टेल या चोटी बांधना;
- **बारबार कंघी करना** (जैसे दिनमे 100 बार से ज्यादा);
- **हेअर पिन, क्लीप या रबर बैन्ड़** के सहारे बालों को खींच कर बांधना (इनकी जगह गोल सिरे वाली हेअरपिन या सूती बैन्ड़ इस्तमाल करे जो बालों पर ढीले बंधते है);

- **गीले बालों मे कंघी अथवा ब्रश चलाना** (गीले बाल तीन गुना कमजोर होते है तथा जल्दी टूट सकते है, अतः तौलिये से हलके पोछ कर दूर दूर दांतो वाली कंघी तथा ब्रश से बाल सूखने के बाद सुबह/रात मे एक या दो बार सिर के रक्ताभिसरण हेतु कंघी करे);
- **गरम पानी वालें शॉवर** के नीचे खड़े हो कर नहाने से बालों का संरक्षक तेल बह जाता है (शरीर के तापमान से हलके गरम पानी वालें शॉवर मे नहाए);

बालों मे नारियल, जैतून, बादाम या आमला तेल लगाने से बालों का घुंगराले बनना कम हो कर बाल तननशील अर्थात मजबूत बनते है, उनका टूटना बंद हो जाता है एवं बालों पर तेल की सुरक्षा परत बनती है। तेल के कारण बालों की जड़ों मे आर्द्रता बनी रहती है, सिर को एमिनो एसिड, चरबी युक्त अम्ल, विटामिन एवं खनिजों का पोषण मिलता है। केश तेल के साथ देवदार लकड़ी का तेल, अजवायन, लैवेन्डर या गुलमेहंदी का तेल मिलाने से सिर की खाल मे रक्तसंचार बढकर बाल घने तथा लंबे होते है। चूंकि इन आवश्यक तेलों को बिना किसी मिलावट के बालों पर सीधे लगाने की सलाह नही दी जाती अतः इन्हे केश तेल मे कुछ बूंद मिलाकर लगाया जाता है।
एक अभ्यास मे पाया गया की देवदार लकड़ी, अजवायन, लैवेन्डर तथा गुलमेहंदी के तेल को जोजोबा एवं अंगूर के बीजों के तेल के संवाहक मिश्रण मे मिलाकर सिर की खाल का मसाज करने वाले एक समूह के बालों की बढवार मे 7 माह बाद केवल संवाहक मिश्रण लगाने वाले समूह की तुलना मे वृद्धि पायी गई। *The Journal of Dermatology*, Japan, मे छपे एक अन्य अभ्यास मे पाया गया की दिन मे दो बार प्याज का रस सिर की खाल मे लगाने वाले 23 मे से 20 लोगो के बालों की बढवार छ सप्ताह मे विकसित पायी गई।

Journal of Alternative and Complementary Medicine, USA, मे प्रकाशित एक अभ्यास के अनुसार प्रतिदिन **ताड़ का (Saw Palmetto) वनस्पती अर्क** प्राशन करने वाले पुरुषों के बालों की बढवार मे सुधार पाया गया। कुछ अभ्यासों के परिणामों मे पाया गया कि यह वनस्पती अर्क फिनास्टराइड के जैसे असरदार भी है और अवांछित परिणाम रहित है। पुरुषों और महिलाओं के बाल झड़ने के क्रम का संबंध हॉर्मोन टेस्टोस्टीरोन के डायहाइड्रोटेस्टोस्टीरोन DHT मे परिवर्तित होने से जोडा जा रहा है। DHT निर्माण प्रक्रिया मे **Saw Palmetto** बाधक सिद्ध होता है। एक अन्य अभ्यास मे शतप्रतिशत लोगों मे, जिन्हे किरैटीन (बालों मे पाया जाने वाला प्रोटीन) के निर्माण मे सहायक **Methylsulfonylmethane** (गाय का प्राकृतिक दूध तथा पत्तेदार सब्जीयों से मिलने वाला) खिलाया गया उनमे बालों का झड़ना कम हुआ तथा बालों की बढवार मे केवल छ हप्तों मे ही सुधार हुआ।

स्वस्थ बालों के लिए सलाहः

1. तनाव प्रबंधन शिक्षा वर्ग, योगशिक्षा वर्ग, प्रियजनों के साथ अधिक वक्त बिता कर, नृत्य, सुमधुर संगीत और सबसे महत्वपूर्ण है पर्याप्त निद्रा लेकर **तनाव को काबू मे रखो।**
2. **संतुलित आहार** रखे जिसमे फल, सब्जीयां, प्रोटीन (शरीर मे प्रोटीन की कमी पूर्ण करने के लिए बालों की बढवार नियंत्रित होती है), लौहयुक्त अन्न, ओमेगा–3 एवं 6 चरबीयुक्त अम्ल, विटामिन विशेष कर विटामिन ए, विटामिन सी (बालों के आवरण 'कोलैजन' के स्वास्थ्य वर्धन हेतु), विटामिन ई (क्षतिग्रस्त बालों के पोषण हेतु), बी–कॉम्प्लेक्स विटामिन तथा खनिज खाद्य पदार्थ।
3. **स्वस्थ बालों के लिए कुछ खाद्य पदार्थ** हैः अखरोट जो ओमेगा–3 तथा ओमेगा–6 चरबी अम्ल से परिपूर्ण होता है, बायोटिन एवं विटामिन ई, विटामिन बी तथा ताम्र;
4. **शकरकंद और गाजर** (विटामिन ए);
5. **अंड़े**–जो प्रोटीन का स्रोत है, विटामिन बी 12, ओमेगा–6 चरबी अम्ल तथा खनिज जस्ता, सेलेनियम जो गंधक तथा लौह से परिपूर्ण होते है;
6. **पालक तथा अन्य पत्तेदार सब्जीयां** जैसे हरी फूलगोभी, करमसाग (एक प्रकार की बंद गोभी) और स्वीस चार्ड – लौह, बीटा किरैटीन, फोलेट एवं विटामिन सी युक्त होती है;
7. **दाल** (मूंग मसूर आदि) प्रोटीन, लौह, जस्ता तथा बायोटिन युक्त होती है;
8. **ग्रीक योघर्ट** बालों के लिए लाभदायक प्रोटीन से युक्त तथा विटामिन बी 5 (पैन्टोथैनिक एसिड) एवं विटामिन डी से परिपूर्ण होता है अथवा **कम चरबी वाला दही या छांछ** बालों के लिए महत्वपूर्ण प्रोटीन और कैल्शियम के अच्छे स्रोत है;
9. **ब्लूबेरी** (नीलबदरी), **किवी तथा स्ट्रॉबेरी** विटामिन सी से परिपूर्ण है;
10. **हरा मटर** लौह, जस्ता और बी समूह के विटामिन से युक्त होता है।

Sources:
http://www.aad.org/dermatology-a-to-z/diseases-and-treatments/e---h/hair-loss/who-gets-causes.
http://www.vogue.in/content/oiling-really-good-your-hair.
http://juanaaman.hubpages.com/hub/What-Makes-Herbal-Oils-the-Best-Hair-Loss-Cure-Treatment
http://www.advancednaturalmedicine.com/hair-renewal/treatments-for-hair-loss.html
http://www.dermatol.or.jp/Journal/JD/full/029060343e.pdf

http://umm.edu/health/medical/altmed/herb/saw-palmetto
http://www.hairsentinel.com/saw-palmetto-for-hair-loss.html
http://www.care2.com/greenliving/12-natural-remedies-that-boost-hair-growth.html?page=1
http://hair.allwomenstalk.com/natural-remedies-to-make-your-hair-grow-faster
http://www.onegoodthingbyjillee.com/2013/10/13-natural-remedies-to-reduce-hair-loss.html
http://www.webmd.com/beauty/hair-styling/top-10-foods-for-healthy-hair?page=1
http://articles.timesofindia.indiatimes.com/2012-06-01/beauty/29755718_1_hair-loss-hair-growth-walnuts

****

ॐ सवालों के जवाब ॐ

(वाइब्रो सम्मेलन के दौरान पूंछे गए प्रश्न)

1. प्रष्न: बवासीर के मरीज के लिए क्यां ***CC4.4 Constipation*** पर्याप्त है या कोई अतिरिक्त रेमेड़ी देना जरुरी है?

उत्तर: साथ मे **CC15.1 Mental & Emotional tonic** देना तथा यकृत के लिए **CC4.2 Liver & Gallbladder tonic** देना बेहतर होगा। मरीज को सलाह दें की पानी खूब पिए और स्वस्थ आहार ले जिसमे ताजे फलों और सब्जीयों का समावेश हो।

++

2. प्रष्न: अगर मुंह मे व्हाइब्रो की गोली रखी हो और मोबाइल की घंटी बजे तब क्यां गोली बेअसर हो जाएगी?

उत्तर: निःसन्देह नही! क्योंकी गोली को मुंह मे रखते ही रोग निवारक कंपन उचित अवयव तक पहुंचने के मार्ग पकड़ लेते है।

++

3. प्रष्न: अगर मरीज कैल्शियम पूरक व्हाइब्रो रेमेड़ी मांगता है तब कौनसा कॉम्बो दिया जाना चाहिए?

उत्तर: **CC12.1 Adult tonic** तथा **CC20.1 SMJ tonic** दोनों मे ही कैल्शियम के कंपन है अतः यह दोनो कॉम्बो अथवा कोई एक कॉम्बो भी दिया जा सकता है।

++

4. प्रष्न: क्यां हम वाइब्रेशन्स की सहायता से रत्न कंपायमान कर सकते है?

उत्तर: स्फटिक मणि को कंपायमान करने के लिए उसे मशीन के रेमेड़ी वैल मे 24 घंटो तक रखे।

++

5. प्रष्न: अगर किसी मूल कॉम्बो मे दूसरा कॉम्बो मिला हुआ है जैसे – ***CC20.3*** मे ***CC20.2***, तथा ***CC20.2*** मे ***CC20.1*** है– क्यां हम बोतल मे तीनों कॉम्बो के बूंद ड़ालते है या फिर केवल ***CC20.3*** ही पर्याप्त है?

उत्तर: सामान्यतः हम ***CC20.3*** मे **CC20.1** अथवा **CC20.2** नही मिलाते क्योंकी **CC20.3** मे पहले ही दूसरे दोनों कॉम्बो मिले हुंए है। फिर भी हमने पाया है की **CC20**.3 तुरंत असर न करने की स्थिति मे इन्हे मिलाने से कॉम्बो की शक्ति बढती है।

++

6. प्रष्न: अगर मरीज का इलाज एक से ज्यादा बिमारीयों के लिए चल रहा है तब क्यां विभिन्न कॉम्बोको एक ही बोतल मे मिलाकर दिया जा सकता है ?

उत्तर: शुरु मे हम एक समय एकही लंबी अवधी की (क्रोनिक) बीमारी का और उसी बिमारी से संबंधित समस्यांओं का इलाज करने की सलाह देते है। मरीज की स्थिति मे अच्छा सुधार दिखने पर ही हम दूसरी बिमारी के इलाज के विषय मे सोचते है। अगर हम दो या उस से अधिक बिमारियों के कॉम्बो एक ही बोतल मे ड़ालकर दें और मरीज को पुल आउट हो तब हमे यह जानने मे कठिनाई होगी की किस रेमेड़ी से पुल आउट हुआ है। यद्यपि चिकित्सक

अपने अनुभव के आधार पर एक साथ एक से ज्यादा बिमारियों का इलाज करने का निर्णय ले सकते है। प्रायः ऐसा इसलिए होता है क्योंकी मरीज कमसे कम बोतले चाहते है।

++

7. प्रष्न: एलोपैथि मे हर्निया के लिए शल्यक्रिया के अलावा अन्य इलाज नही है। दर्द कम करने अथवा उभार (*bulging part*) कम करने मे वाइब्रियोनिक्स कितना असरदार है?

उत्तर: हर्निया के लिए **CC4.9** निश्चितही प्रभावकारी हैं। अतः हमारी सलाह यह है की कम से कम दो माह तक वाइब्रियोनिक्स इलाज के बाद ही शल्यक्रियां का विचार करना चाहिए।

++

Practitioners: Do you have a question for Dr. Aggarwal? Send it to him at news@vibrionics.org.

****

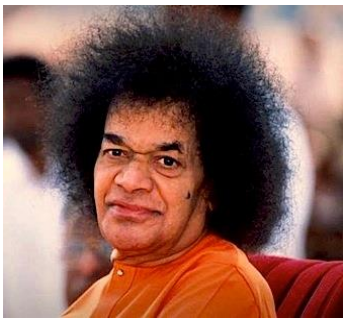

ॐ रोग निवारण कर्ता के दैवी वचन ॐ

ॐ DIVINE WORDS from THE HEALER OF HEALERS ॐ

*''कर्करोग का मुख्य कारण है सफेद शक्कर। इसकी वजह यह है की शक्कर को शुद्ध करने के लिए बहुत सारे रसायन मिलाए जाते हैं और इन्ही रसायनों मे एक है जलायी हुई **हड्डीयां।** जब आप शक्कर खाते है वह आपके शरीर के किसी भाग मे जम जाती है और समस्या निर्माण करती है। शक्कर का उन्मूलन ही कर्करोग का उन्मूलन है।*

शरीर से कैल्शिअम नष्ट होने की प्रक्रिया को शक्कर उत्तेजित करती है जिससे मूत्र नलिका मार्ग मे पथरी का खतरा बढ जाता है। शक्कर का अच्छा पर्याय है गुड़।''

.....सत्य सांई बाबा के दि. 3 जनवरी 1994 के प्रवचन से

++

'' प्रार्थना धर्म का प्राण है; क्योंकि वह मनुष्य और भगवान को एक दूसरे के करीब लाती है। कृष्ण की बांसुरी के स्वर्गीय संगीत का माधुर्य मन के कानों से सुनने की प्रक्रिया को ध्यान कहते है। रोज आप आहार के पोषक मूल्य एवं कैलरीज का हिसाब रखकर विटामिन लेते है, व्यायाम करते है तथा पुष्टिकारक औषधी लेते है। ठीक उसी तरह मन के द्वारा ग्रहण किए जाने वाली धारणाओंका भी ध्यान रखिए, क्यां वे आपको दृढता प्रदान कर रही है, अथवा कमजोर कर रही है? क्यां वे लोभ, **ईर्षा**, घृणा, दंभ, दुर्भावना आदि से मन के विरोध को बल प्रदान कर रही है?

सेवा रुपी सत्कार्यो तथा दिव्य विचार रुपी भोजन को प्रेम रुपी रस के साथ ग्रहण कीजिए ताकि वह हजम हो सके। फिर आप का मनो–स्वास्थ्य, खुशी और परिपूर्णता से चमक उठेगा।''

.....सत्य सांई बाबा के दि. 6 अक्तूबर 1970 के प्रवचन से

****

ॐ ANNOUNCEMENTS ॐ

Forthcoming Workshops

- **India Delhi-NCR:** AVP workshop 12-13 April 2014, contact Sangeeta at trainer1.delhi@vibrionics.org
- **UK London:** Refresher workshop May 14, contact Jeram at jeramjoe@gmail.com
- **India Puttaparthi**: AVP&SVP workshops 18-22 April 14, contact Hem at 99sairam@vibrionics.org
- **Italy Spinea Near Venice:** AVP workshop 17-18 May 14, contact Manolis at monthlyreports@it.vibrionics.org

All Trainers: If you have a workshop scheduled, send details to: 99sairam@vibrionics.org

****

*****ATTENTION PRACTITIONERS*****

- Our website is www.vibrionics.org. You will need your Registration number to login to the Practitioner Portal. If your email address changes, please inform us at news@vibrionics.org as soon as possible.
- You may share this newsletter with your patients. Their questions should be directed to you for answers or for research and response. Thank you for your cooperation.

Jai Sai Ram!

Sai Vibrionics...towards excellence in affordable medicare - free to patients